ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

CLASS: 8

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE: 06. 05 .2020

पाठ नाम - अस्थिदान

कहानी का सारांश

यह कहानी है दधीचि मुनि की ,जो अपने अस्थियो का दान करके परोपकारिता को एक नयी परिभाषा देते है| यह एक पौराणिक कथा है | जब इस विश्व में वृत्रासुर नामक असुर का अत्याचार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था ,तब सभी जगह मानो हाहाकार मच गया था | तब सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए| उन्होंने ही महर्षिदधीचि के बारे में बताया और कहा कि दधीचि द्वारा दान की गई अस्थियां ही इस समस्या का समाधान है | फिर सभी देवता ऋषि दधीचि के पास गए और उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया | इंद्र बोले कि वृत्रासुर केवल एक ही अस्त्र से मारा जा सकता है और वह अस्त्र आपकी अस्थिओं से बनेगा | महर्षि अति प्रसन्न हुए | वह उसी क्षण समाधि में बैठे और अपने प्राण त्याग दिए | उनकी अस्थिओं से व्रज नामक अस्त्र बनाया गया जिससे वृत्रासुर नामक राक्षस मारा गया और इस संसार को उसके अत्याचार से आज़ादी मिली |

लघु उतरीय प्रश्न- F.M -2X3=06

1. व्रज क्या है?इससे किसका वध किया गया है?

उ.व्रज महर्षि दधीचि की अस्थिओं से बना अस्त्र है | इससे वृत्रासुर नामक राक्षस का वध किया गया है |

2. देवतागण किसके पास गए थे? और क्यों ?

उ. देवतागण ब्रह्मा जी के पास गए थे| वृत्रासुर राक्षस के अत्याचार से पूरी दुनिया परेशान थी, इस समस्या के समाधान के लिए गए थे |

3.महर्षि दधीचि कहाँ रहते थे? किसके कहने पर देवतागण उनके पास गए ?

उ. महर्षि दधीचि सरस्वती नदीके तट पर रहते थे | ब्रह्मा जी के कहने पर देवतागण उनके पास गए |

शब्दार्थ-

तट- किनारा

अस्थि- हड्डी

अभिवादन- वंदना

सुर- देवता

असुर- राक्षस

कृपा- दया

NAME- PRITI TIWARI